

XVIII. 2. Jmd (*Acc.*) veranlassen an ihn zu denken. स्मारयति भ-
क्तान्हरिः «Hari veranlasst seine Verehrer sich seiner zu erinnern»
XXIII. 38. — *Desid. Med.* सुस्मृष्यते XXIII. 57. — *Intens.* सास्मर्यते
XX. 4.

स्मृति *f. Nom. act.* von स्मृ XXVI. 183.

स्मेर *Nom. ag.* von स्मि XXVI. 158.

स्यद् *m.* Eile, Geschwindigkeit XXVI. 174. VIII. 124.

स्यन्द् 1. *Med.* Träufeln. स्यन्त्वा XXVI. 203.

— अनु, अभि, नि, निस्, पार und वि. स kann ष werden, wenn
der *Agens* leblos ist: निष्यन्दते oder निस्स्यन्दते घृतम्, aber: निस्स्यन्दते
हस्ती VIII. 98, 121.

स्यम्. *Intens.* सेसिम्यते XX. 12.

स्यूति *f.* Nähen VIII. 134.

संसृ. *Intens.* सनीस्रस्यते XX. 7.

स्रक्त् und स्रग्विन् *Adj.* von स्रज् (अस्त्यर्थे) VII. 29.

स्रज् *f.* = सृज्यते XXVI. 71. *Declin.* III. 134, 163.

स्रजयति = स्रग्विणमाचष्टे oder करोति XXI. 14.

स्रक् *Nom. ag.* von सृ XXVI. 41.

स्रस्. *Declin.* III. 106, 153.

सृ 1. *Act.* Gehen. असृसृवत् (VIII. 86.), सुस्रोथ, सुसृव (VIII. 57.)
VIII. 96. — *Caus.* bloss *Act.* स्रावयति XXII. 2. — *Caus. Des.* सि-
स्रावयिषति oder सुस्रा° XIX. 15.

सृक्त् *Adj.* von सृच् XXI. 14.

सृचयति = सृक्त्तमाचष्टे oder करोति XXI. 14.

सृ (*Nom.* — स्) = स्रवति XXVI. 71.

स्व heisst श्रि III. 9. — *Declin.* III. 12, 37. *Bildung der Deri-
vata* VII. 4. — Vor स्वा nimmt ein *Fem.* nicht die *Masculin-Form*
an VI. 13. — 1) *Pronom. reflex.* संज्ञानीहि स्वमीशा च «erkenne
dich selbst und ^Āİç» V. 13. 2) *m.* Verwandter III. 9. 3) *n.* Besitz,
Vermögen, ebend.